

हल्दी उत्पादक महिला समूहों की दीदियों ने पाया क्षमता उन्नयन प्रशिक्षण

जगदलपुर, 02 सितम्बर (दण्डकारण्य समाचार)। हल्दी भारतीय मसालों का अनिवार्य घटक होने के साथ-साथ धार्मिक और सामाजिक उपयोग के लिए भी महत्वपूर्ण है। हल्दी की खेती न केवल आर्थिक रूप से लाभकारी है बल्कि यह औषधीय गुणों के कारण भी महत्वपूर्ण है और इससे अच्छी कमाई के अवसर हैं। बस्तर जिले में खरीफ ऋतु के दौरान धान की परंपरागत खेती के अलावा मसाला फसलों की पैदावार की भी बहुत संभावनाएं हैं। जिसे महिला कृषक आसानी से जीविकोपार्जन का साधन बनाकर आजीविका का माध्यम बना सकते हैं। इसी अनुक्रम में स्पाइस बोर्ड वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय भारत सरकार के जगदलपुर स्थित इकाई के सौजन्य से वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख कृषि विज्ञान केंद्र बस्तर के मार्गदर्शन में ग्राम मुतनपाल.2, विकासखण्ड



बास्तानार ए जिला बस्तर के महिला स्व.सहायता समूहों की 102 दीदियों का हल्दी मसाला पर गुणवत्ता सुधार सह क्षमता उन्नयन प्रशिक्षणकार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न किया गया। कृषि विज्ञान केंद्र बस्तर से विषय वस्तु विशेषज्ञ एवं प्रधानमंत्री

सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना अंतर्गत खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त मास्टर ट्रेनर डॉण राहुल साहू ने हल्दी मसाला फसल की वैज्ञानिक उत्पादन तकनीकए प्रसंस्करण मूल्य संवर्धन एवं विपणन पर विस्तार से चर्चा

करते हुए कृषक की सफलता की कहानी व चलचित्रों के माध्यम से महिला कृषकों को प्रेरित करतेहुए क्षमता उन्नयनप्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल संचालन किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में स्पाइस बोर्डए जगदलपुर से उपस्थित वरिष्ठ प्रक्षेत्र अधिकारी मिस

कल्याणी ने स्पाइस बोर्ड द्वारा पोषित विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए कृषक दीदियों को हल्दीगुणवत्ता सुधार पर प्रोत्साहित किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में ग्राम की सरपंच महोदया ग्राम सचिव एवं शुभम बेंछोर सहित ग्राम के अन्य कृषक भी उपस्थित रहे।

कृषक पंचांग भी किया गया वितरित

प्रशिक्षण कार्यक्रम में इंदिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर द्वारा प्रकाशित कृषकोपयोगी लाभदायी कृषक पंचांग भी कृषि विज्ञान केंद्रए बस्तर के माध्यम से किया गया। इस कृषि पंचांग में खरीफ रबी जायद फसलों की उन्नत फसल उत्पादन तकनीक विभिन्न विभागीय योजनाएं उन्नत कृषि उपकरणों जानकारी सहित समसामयिक कृषि जानकारी भी समाहित हैं।

अधूरे सड़क निर्माण से मार्ग में फैल रहा है कीचड़

जगदलपुर, 2 सितम्बर (दण्डकारण्य समाचार)। शहर के निकटस्थ ग्राम पंचायत नियनार में अधूरी सी सी सड़क निर्माण के चलते मार्ग में कीचड़ हो गया है जिससे लोगों का पैदल चलना मुश्किल हो गया है।

ग्राम पंचायत नियनार के बस्ती पारा में कुछ समय पूर्व सीसी सड़क निर्माण किया गया था, लेकिन पूरे मार्ग में सी सी सड़क निर्माण नहीं किया गया है कुछ मीटर भाग छोड़ दिया गया है जिससे बारिश के इन दिनों में छोड़ें गए कच्चे मार्ग में पानी भरने से कीचड़ हो गया है, जिससे जहां दो पहिया वाहन कीचड़ में फंस रहे हैं वहीं ग्रामीणों का पैदल चलना मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों ने बताया कि अधूरी सड़क निर्माण से मार्ग में पानी भरने के साथ कीचड़ हो जाता है जिससे आवागमन करना मुश्किल हो गया है।



आंगनबाड़ी केन्द्र के छज्जा का प्लास्टर टूटकर गिर रहा

जगदलपुर, 2 सितम्बर (दण्डकारण्य समाचार)। ग्राम पंचायत बुरुंदवाड़ा स्थित आंगनबाड़ी केन्द्र की छत क्षतिग्रस्त हो गई है जिससे बच्चों को प्लास्टर गिरने का भय बना रहता है।

नगर से लगभग 8-9 किलो मीटर दूर स्थित ग्राम पंचायत बुरुंदवाड़ा के आश्रित पारा सेमरा में आंगनबाड़ी केन्द्र पक्के भवन में संचालित हो रहा है लेकिन कुछ ही साल पूर्व बने भवन के छज्जे से प्लास्टर उखड़ने लगा है। छज्जा का प्लास्टर गिर जाने से बारिश का पानी टपकता रहता है, जिससे बच्चों को परेशानी होती है। केन्द्र के अंदर आते जाते समय कभी भी प्लास्टर गिरने का डर बच्चों को बना रहता है। शिकायत के बावजूद सुधार कार्य की ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है।



सर्व समाज समन्वय महासभा छत्तीसगढ़ ने किया धाकड़ समाज अध्यक्ष एवं पुजारी को सम्मानित

जगदलपुर 2 सितंबर (दण्डकारण्य समाचार)। सर्व समाज समन्वय महासभा छत्तीसगढ़ ने जगदलपुर के श्याम प्रसाद मुखर्जी सभागार में आयोजित कार्यक्रम में बस्तर धाकड़ समाज के जिला अध्यक्ष नरेंद्र सिंह ठाकुर और धाकड़ समाज के सदस्य एवं रामपाल शिव मंदिर के प्रमुख पुजारी कैलाश ठाकुर को सम्मानित किया है। यह सम्मान उनके समाजिक कार्यों और कुशल नेतृत्व क्षमता के लिए दिया गया है। नरेंद्र सिंह ठाकुर को उनके कुशल नेतृत्व और समाज को संगठित मजबूत करने समाजिक कार्य के लिए सम्मानित किया गया है। वे समाज हित में सदैव तत्पर रहते हैं और अपनी कार्य कुशलता एवं कुशल नेतृत्व के साथ-साथ बेबाक बोली के लिए भी जाने जाते हैं। एक कुशल नेतृत्व कर्ता की सम्पूर्ण छवि दिखती है। नरेंद्र सिंह ठाकुर को समाज के प्रति समर्पित इमानदारी सेवा समर्पण के लिए सम्मानित किया गया है। रामपाल शिव मंदिर के प्रमुख पुजारी कैलाश ठाकुर को राम पाल शिव मंदिर के जीर्णोद्धार और सनातन धर्म के कार्य में अच्छे कार्य और प्रयास के लिए सम्मानित किया गया है। सनातन धर्म और धाकड़ समाज के प्रति सेवा समर्पण और कार्य की सराहना की गई है। कैलाश ठाकुर का यह कार्य समाज के लिए एक प्रेरणा का स्रोत है और



हमें उम्मीद है कि वे आगे भी सनातन धर्म और समाज की रक्षा करते रहेंगे। यह सम्मान समाज के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है और हमें गर्व है कि हमारे समाज के दो प्रमुख व्यक्तियों को इस तरह से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान न केवल बस्तर धाकड़ समाज के लिए बल्कि पूरे बस्तर संभाग के लिए गौरव की बात है।

दिगम्बर राव व संतोष बाजपेयी बने भाजपा जगदलपुर पूर्वी मण्डल के महामंत्री

जगदलपुर 2 सितंबर (दण्डकारण्य समाचार)। भारतीय जनता पार्टी ने जगदलपुर पूर्वी नगर मण्डल की संपूर्ण नवीन कार्यकारिणी की घोषणा कर दी है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव की अनुशंसा एवं प्रदेश महामंत्री संगठन पवन साय की सहमति से भाजपा जिला अध्यक्ष वेदप्रकाश पाण्डेय ने सोमवार को जगदलपुर पूर्वी नगर मण्डल की नवीन कार्यकारिणी की घोषणा की है। जगदलपुर पूर्वी नगर मण्डल अध्यक्ष अविनाश श्रीवास्तव महामंत्री दिगम्बर राव व संतोष बाजपेयी उपाध्यक्ष राकेश तिवारी गीता नाग मीना साहू विक्रम सिंह यादव बनाये गये हैं। मंत्री श्रीमती राधा बघेल किरण दीवान राजा यादवए योगेश मिश्रा को बनाया गया है। कोषाध्यक्ष शंकर शर्माए सह

कोषाध्यक्ष रितेश सोनी कार्यालय मंत्री केतन महानंदी सोशल मीडिया प्रभारी शैलेश श्रीवास्तव सह सोशल मीडिया प्रभारी संतोष पाण्डेय बनाये गये हैं। कार्यकारिणी सदस्यों में कौशिक शुक्लाए आशुतोष पालए अभय दीक्षितए नागेश रावए मोतीराम बघेल उमेश वानखेड़ेएधनश्याम बघेलएसंगीता तोमरए करण जैनए शंकर रावए बी संतोषी राव के चंद्रमाली रावए संध्या टांडिया चिकम भारतीय देवश्री भण्डारीए सूरज केसरवानीए पुष्पा तिवारीएरानी रायए रवि शर्मा शशि नाग डी सुधा रानी मनीष मूलचंदानी अजय पाल सिंहए पुनीता सुनानी वेंकट राव विकी लोकेश रावए ज्ञानेंद्री महाराणाए प्रभात चौहानए रेखा नायक के नाम शामिल हैं।

बस्तर दसराह पसरा परिसर, जगदलपुर में कवि गोष्ठी संपन्न



जगदलपुर 2 सितम्बर (दण्डकारण्य समाचार)। 31 अगस्त रविवार को बस्तर दसराह पसरा जगदलपुर में प्रांतीय छत्तीसगढ़ी साहित्य समिति जगदलपुर बस्तर इकाई द्वारा आयोजित कवि गोष्ठी कार्यक्रम में शहर के साहित्यकार उपस्थित हुए। कार्यक्रम में सभी साहित्यकारों ने सभी विधाएँ पर रचनाएँ पढ़ीं। सबसे पहले कार्यक्रम का संचालन कर रही चमेली नेताम सुवासिता ने सरस्वती वंदना सुमधुर स्वर में प्रस्तुत किया। उसके बाद शिवसागर त्रिपाठी ने ... सतयुग का खाका विषय पर कविता अपने अंदाज में प्रस्तुत कर वाह.वाही बटोरी। अवध किशोर शर्मा ने ... सम.समाइक

कविता पढ़ कर तालियाँ बटोरी। ऋषि शर्मा षष्ठिष ने चिर.परिचित अंदाज में गीत.गुजले तरन्नुम में पेश कर माहौल को खुशनुमा कर दिया। विपिन बिहारी दाश ने गुजल .. उनके बगैर ज़िंदगी बदनाम हो गयीण्णतरन्नुम में प्रस्तुत कर तालियाँ बटोरी। शशांक श्रीधर ने सुंदर रचना .. पचास साल पुरानी मेज पर पड़ाण्णचना प्रस्तुत कर वाह वाही और तालियाँ बटोरी। पूर्णिमा सरोज ने सुंदर कविता .. छम.छम बूँदें नृत्य कर रहीण्ण प्रस्तुत किया। शिरीष कुमार टिकरिहा ने छत्तीसगढ़ी में .. गुरतुर बोली के बोलइयाण्ण रचना पढ़ कर वाह वाही बटोरी। कृष्णशरण पटेल प्लूग्राए ने .. याद बहुत आते हैं वो मस्ती वाले दिनण्णगीत और कल रात

मुझसे एक चोर टकरा गयाण्ण हास्य.व्यंग्य प्रस्तुत कर सब का मन मोह लिया। रामेश्वर प्रसाद चंद्रा ने छत्तीसगढ़ी रचना .. नइ सुहावयण्ण विषय पर खूबसूरत कविता प्रस्तुत कर तालियाँ बटोरी। भरत कुमार गंगदिल्य ने खूबसूरत छत्तीसगढ़ी कविता .. मोर छत्तीसगढ़ धाम के महिमा भारी हेण्ण सुमधुर आवाज में प्रस्तुत कर तालियाँ बटोरी। चमेली नेताम प्सुवासिता ए ने भाखा दाई के गिर्या मन ला लेते जीतण्णकुण्डलियाँ छंद रचना प्रस्तुत किया। आज के कार्यक्रम में अन्य श्रोतागण के रूप में डॉण बीएण्लणसाहू ए सोनामनी बघेल ए मनीषा कुलदीप और अनुभा टिकरिहा ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज करायी।

बाढ़ प्रभावित पारापुर प्राथमिक शाला के बच्चों को मिली राहत



जगदलपुर 2 सितम्बर (दण्डकारण्य समाचार)। पिछले सप्ताह हुई भारी बारिश और उसके कारण आई बाढ़ से प्रभावित हुए लोहंडीगुड़ा तहसील के ग्राम पारापुर में प्राथमिक शाला घसीया पारा के बच्चों को शिक्षा विभाग द्वारा राहत सामग्री प्रदान की गई। बाढ़ के कारण अपनी आवश्यक वस्तुएँ खो चुके इन बच्चों के चेहरों पर स्कुल बैगए कॉपीए पेन और अन्य उपयोगी सामान पाकर मुस्कान लौट आई। इस पहल के तहत बाढ़ प्रभावित बच्चों को स्कुल बैग के

शिक्षा विभाग द्वारा किया गया आवश्यक सामग्री का वितरण

साथ-साथ कॉपी और पेन जैसे शैक्षिक सामग्री भी दी गईए ताकि उनकी पढ़ाई फिर से सुचारू रूप से शुरू हो सके। इसके अलावाए उन्हें थालीए ग्लास और कटोरी जैसे आवश्यक बर्तन भी दिए गएए जो बाढ़ के दौरान खराब हो

गए थे या बह गए थे। यह राहत सामग्री बच्चों और उनके परिवारों के लिए एक बड़ी मदद साबित हुई हैए क्योंकि बाढ़ ने उनके जीवन को अस्त.व्यस्त कर दिया था। इस प्रयास से न केवल बच्चों को जरूरी सामान मिलाए बल्कि उन्हें यह भी अहसास हुआ कि संकट की इस घड़ी में वे अकेले नहीं हैं। शिक्षा विभाग द्वारा इस कार्य को अंजाम देते हुए कहा गया कि उनका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि बाढ़ के कारण बच्चों की शिक्षा पर कोई असर न पड़े।



जगदलपुर 2 सितम्बर (दण्डकारण्य समाचार)। बस्तर जिले के लोहाण्डीगुड़ा विकास खंड के बाढ़ प्रभावित गाँवों का धाकड़ समाज ने दौरा कर प्रभावितों को राहत सामग्री का वितरण किया। धाकड़ समाज के संभागीय अध्यक्ष तरुण धाकड़ व लोहण्डीगुड़ा अध्यक्ष मालिकराम धाकड़ के नेतृत्व मे संरक्षण पद्म सिंह धाकड़ए कृष्णा सिंह धाकड़ए तरुण धाकड़ए तुलसीराम धाकड़ए जगत सिंह धाकड़ए मुकुंद सिंह धाकड़ए सुदन सिंह धाकड़ए बालसिंह धाकड़ए सोमासिंह धाकड़ के द्वारा बाढ़ प्रभावित क्षेत्र ग्राम मांदरए नेगानार तथा पारापुर का दौरा किया गया। प्रभावित परिवार से मिलकर स्थिति परिस्थिति की जानकारी

लेकर परिवार से रुबरू हुए। इस दौरान ग्राम मांदरए नेगानार एवं पारापुर के 103 प्रभावित परिवारों को राहत सामग्रीए बर्तन व कपड़े वितरण किया। धाकड़ समाज के पदाधिकारियों ने प्रभावित परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा की धाकड़ समाज ऐसी दुख की परिस्थिति में आपके साथ खड़ा हैएकौई भी प्रभावित परिवार स्वयं को अकेला महसूस न करे। हम सबको एक दुसरे के सुख दुख मे शामिल होकर यथा संभव सहयोग करनी चाहिए। संभागीय अध्यक्ष तरुण धाकड़ ने बस्तर संभाग के प्रत्येक प्रभावित परिवारों को राज्य सरकार की ओर से 20.20 लाख रूपये मुआवजा राशि तत्काल प्रदान करने की मांग की है।

सविदा शिक्षक बने बाढ़ प्रभावित बच्चों का सहारा



जगदलपुर 2 सितम्बर (दण्डकारण्य समाचार)। मांदर गांव की बाढ़ त्रासदी ने जहाँ अनेक परिवारों के बच्चों से उनका बचपन और पढ़ाई का सहारा छीन लिया वहीं ऐसे कठिन समय में स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय अलनार के सविदा शिक्षक भी पीछे नहीं रहे। विद्यालय के प्राचार्य अजय कोराम के मार्गदर्शन और नेतृत्व में सविदा शिक्षकों ने विद्यालय में पढ़ने वाले प्रभावित बच्चों को कॉपी किताबें और स्कुल बैग उपलब्ध कराए। साथ ही बच्चों

को जल्द से जल्द फिर से विद्यालय लौटने के लिए प्रेरित किया। इन शिक्षकों ने बच्चों के मनोबल को भी संभाला और उन्हें यह भरोसा दिलाया कि शिक्षा की राह किसी भी आपदा से रुकने वाली नहीं है। इसी प्रकार समाज के हर वर्ग से सहयोग की लहर उठ रही हैए सविदा शिक्षक भी इस जिम्मेदारी से अछूते नहीं रहे। उन्होंने यह साबित किया कि शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहींए बल्कि कठिन समय में बच्चों के साथ खड़े होने का नाम है।